www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 345 || लखनऊ
सोमवार
23 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:05
सूर्यास्तः 60:20
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 03

विशेष समाचार पप्पू से एल ओ पी तक... >> पेज 02
सरकार बनी तो महिलाओं को 40... >> पेज 04
सलमान खान की फिल्म मातृभूमि...

फास्ट न्यूज

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के 7 आरोप

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में विपक्षी सांसदों ने नोटिस दिया है। लोकसभा-राज्यसभा में लाए गए नोटिस में CEC पर 7 आरोप है लगाए गए हैं। यह कहा गया है कि वे सरकार के इशारे पर काम करते हैं। विपक्ष का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने SIR के जरिए लोगों के वोट देने के अधिकार छीन लिया। नोटिस में उनकी नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गए हैं।

असम चुनाव-कांग्रेस से आए सांसद को टिकट देने पर नाराजगी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम। असम विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के भीतर नेताओं की नाराजगी सामने आने लगी है। पार्टी टिकट से वंचित कई मौजूदा विधायक और दावेदार निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दे रहे हैं सूत्रों के मुताबिक, इस स्थिति को संभालने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया खुद आगे आकर नाराज नेताओं को मनाने की कोशिश कर रहे हैं। और भूपेन बोरा के बीजेपी में शामिल होने के बाद बोरदोलोई को दिसपुर सीट से बोरा को बिहपुरिया सीट से पार्टी टिकट दिए गया है। इस फैसले से पार्टी के कई पुराने दावेदारों में नाराजगी बढ़ गई है।

प्रेग्नेंसी में वर्क फ्रॉम होम नहीं दिया, 200 करोड़ जुर्माना

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहायो में प्रेग्नेंट महिला को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति न देने के मामले में कोर्ट ने कंपनी पर 2.25 करोड़ डॉलर (200 करोड़) का जुर्माना लगाया है। महिला को ऑफिस आने की मजबूरी की वजह से समय से पहले डिलीवरी हुई थी। जिससे नवजात की कुछ घंटों में ही मौत हो गई थी। कोर्ट ने माना कि अगर महिला को घर से काम करने दिया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर कंपनी पर यह जुर्माना लगाया गया।

शाह-नड्डा, पुरी समेत सीनियर लीडर मौजूद, गैस-तेल और ऊर्जा की स्थिति पर चर्चा की

मोदी की पश्चिम एशिया के हालात पर हाई लेवल बैठक

मीटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर,

सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू, रेल और आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव समेत अन्य सीनियर लीडर मौजूद रहे। आज ही अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (LPG) लेकर एक कार्गो शिप मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंचा

>> (शेष पेज 04 पर)

बैठक में पूरा जोर देश में जरूरी संसाधनों की बिना रोक सप्लाई, लॉजिस्टिक्स और डिस्ट्रिब्यूशन तय करने पर रहा। जिससे देश के लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

हवाई किराए पर लगी रोक हटाई

अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने हवाई किराए पर लगी रोक को हटा दिया है। आदेश के मुताबिक यह फैसला 23 मार्च से लागू होगा। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं।

प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें बढ़ाई गईं

सरकारी तेल कंपनियों ने 20 मार्च को स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2.09-2.35 प्रति लीटर तक बढ़ाईं। भोपाल में इसकी कीमत बढ़कर करीब 117 रुपए पहुंची है। सामान्य पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। भारत पेट्रोलियम यानी BPCL प्रीमियम पेट्रोल को स्पीड नाम से बेचता है। वहीं हिंदुस्तान पेट्रोलियम यानी HPCL इसे पावर और इंडियन ऑइल यानी IOCL XP95 के नाम से इसे बेचता है।

राज्यों को 20% ज्यादा गैस देने का आदेश

केंद्र ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को LPG सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे सीएम योगी

28 मार्च को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

जायजा

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन 28 मार्च को पीएम मोदी करेंगे। ऐसे में आज सीएम योगी आदित्यनाथ दोपहर के बाद नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उन्होंने एयरपोर्ट का निरीक्षण करते हुए तैयारियों का जायजा लिया।

उद्घाटन से पहले सीएम अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा करेंगे। बैठक में पुलिस, जिला प्रशासन के अधिकारियों के अलावा यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि.के

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का जाएजा लेते सीएम

अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारी को अंतिम रूप दिया जाएगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

सोनम वांगचुक 6 महीने बाद लेह पहुंचे

बोले- उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे, एनएसए में जेल में बंद थे

सोनम वांगचुक के स्वागत के लिए हजारों लोग फूल और सफेद पटका लेकर पहुंचे।

तमसा संकेत, एजेंसी

लेह। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक रविवार को 6 महीने (करीब 170 दिन) बाद लेह पहुंचे। केंद्र ने 14 मार्च को वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट (NSA) हटाया था। इसके बाद उन्हें जोधपुर जेल से रिहा किया गया था। लेह में उनके लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वांगचुक के सैकड़ों समर्थक पहुंचे। वांगचुक ने समर्थकों को संबोधित

करते हुए कहा- जिस मकसद के लिए हम काम कर रहे हैं, उसके लिए एक नया सूरज उगेगा। हम उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं। वांगचुक ने कहा कि 170 दिनों के बाद इन पहाड़ों में आकर और लोगों से मिलकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

टिप्पडी : आप देश चलाने के काबिल नहीं, रुपया गिर रहा, पीएम इलेक्शन कैंपेन में बिजी

मोदी जी अब झोला उठाओ और चले जाओ : राउत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि पीएम मोदी अब देश का नेतृत्व करने में काबिल नहीं हैं। रुपया लगातार गिर रहा है, जंग आज है, लेकिन कल तो जंग नहीं हुई थी। रुपया ठीक उसी समय नीचे गिरना शुरू हुआ जब PM मोदी प्रधानमंत्री बने। PM अभी भी इलेक्शन कैंपेन में बिजी हैं और उन्हें रुपये की कोई परवाह नहीं है।

मेरे पास उनसे कहने के लिए बस एक ही बात है कि 'मोदी जी, अब झोला उठाओ और चले जाओ।' दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना MP ने कहा, अब रुपये के हालात देखिए। बस सेंचुरी लगना बाकी है। अबकी बार, 100 के पार। बताइए मोदी जी कहां हैं? वे पश्चिम बंगाल में हैं, ममता बनर्जी को

राहुल ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं।' उन्होंने लिखा कि सरकार चाहे इसे नॉर्मल बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, एमएसएमई को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे।

हराने के लिए प्रेसिडेंट रूल की तैयारी कर रहे हैं। मोदी जी और शाह जी पश्चिम बंगाल में 'खेला' करने की कोशिश कर रहे हैं, और रुपये की वैल्यू गिर रही है। मोदी जी कह रहे थे कि जब रुपये की वैल्यू गिरती है, तो देश की इज्जत गिरती है। अब क्या गिर रहा है? कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरने और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत बढ़ने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। सरकारी तेल कंपनियों ने स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2.09-2.35 प्रति लीटर तक बढ़ाईं। एमपी के भोपाल में इसकी कीमत बढ़कर करीब 117 पहुंची है। हालांकि सामान्य पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं किया गया। भारत पेट्रोलियम यानी BPCL प्रीमियम पेट्रोल को स्पीड नाम से बेचता है। वहीं हिंदुस्तान पेट्रोलियम यानी HPCL इसे पावर और इंडियन ऑइल यानी IOCL XP95 के नाम से इसे बेचता है।

>> (शेष पेज 04 पर)

रुपया 93.53 के रिकॉर्ड लो पर पहुंचा, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का असर

20 मार्च को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 64 पैसे कमजोर होकर 93.53 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंचा। बाजार के जानकारों का कहना था कि दुनिया भर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल की वजह से घरेलू करेंसी पर है।

राहुल बोले थे- शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा

राहुल ने लिखा किविदेशी संस्थागत निवेशक (FII) का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। उन्होंने लिखा है। कि सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है, सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है।

ईरान से सीजफायर वार्ता करना चाहते हैं ट्रम्प

ईरान की शर्त- पहले मुआवजा दो, आगे हमला नहीं होगा इसकी गारंटी भी चाहिए

इजराइली शहर अराद पर ईरानी मिसाइल ने हमला किया। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हुए और 10 की हालत गंभीर है।

तमसा संकेत, एजेंसी

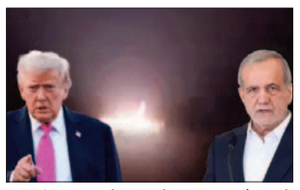

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प की टीम ईरान के साथ सीजफायर पर बात करना चाहते हैं। इस काम में ट्रम्प के सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ भी लगे हुए हैं। यह जानकारी एक्सियोस न्यूज ने दी है। हालांकि ईरान ने बातचीत के लिए शर्त

रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले। दूसरी तरफ, ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग को। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना मिसाइल प्रोग्राम कुछ समय के लिए बंद करे, यूरेनियम एनरिचमेंट रोक दे और अपने परमाणु ठिकानों को भी बंद करे। इसके अलावा, ईरान हिजबुल्लाह और हमास को पैसे देना भी बंद करे। ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि BRICS को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए।

> भारतीय झंडे वाला क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात के मुंद्रा पोर्ट (अडानी पोर्ट्स) पर आया था। इस टैंकर में करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल था। यह तेल यूएई से आया, जिसे फुजैराह पोर्ट पर लोड किया गया था।

रूस से क्रूड लेकर भारत पहुंचा शिप

गैस-कच्चा तेल लेकर 5 जहाज भारत आ चुके, फारस की खाड़ी में सभी 22 जहाज सुरक्षित

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुर। अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (LPG) लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं रूस से एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडाणी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य LPG कैरियर MT शिवालिक और MT नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनियाभर की करीब 20% ऑयल की सप्लाई होती है। यह जहाज 14 मार्च को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर रवाना हुआ था। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच यह भारत पहुंचने वाला पहला LPG जहाज था। वहीं, गैस की कालाबाजारी या गलत इस्तेमाल रोकने के लिए कदम उठाने को भी कहा गया है।

चीन जा रहे टैंकरों ने पकड़ा भारत का रास्ता

वोर्टेक्सा लिमिटेड का कहना है कि बीते हफ्तों मेंरूसी तेल ले जा रहे कम से कम सात टैंकरों ने अपनी यात्रा के बीच में ही अपना रास्ता बदलतकर चीन की बजाय भारत की दिशा पकड़ी है। रूस के एक और जहाज Suezmax Zouzou के 25 मार्च को भारत पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। यह टैंकर कजाख सीपीसी ब्लैंड कच्चा तेल ले जा रहा है।

जहाज का भारत आना क्यों है बड़ी बात, जंग से होर्मुज रास्ता बंद

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमला किया, जिसमें कई सैन्य और परमाणु ठिकाने निशाना बने। इस ऑपरेशन में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई मंत्री-अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट से आपूर्ति बाधित हुई। यहां से भारत का 80-85% LPG आयात होता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा LPG आयातक है। देश की 60% से ज्यादा LPG बाहर से आती है। इसी के कारण भारत में LPG किल्लत जैसे हालत बने, लेकिन भारत सरकार ने लगातार लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की।

> होर्मुज स्ट्रेट करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहे।

बाल्टिक सागर से लोड हुआ जहाज

यह जहाज अपने साथ 'यूराल' तेल का कार्गो ला रहा है। इसे जनवरी के आखिर में बाल्टिक सागर के बंदरगाह में लोड किया गया था। जहाज चीन के रिझाओ बंदरगाह की ओर जा रहा था लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्वी एशियाई जलक्षेत्र में इसने दिशा बदल ली। यह बदलाव अमेरिका के भारत को रूस से तेल की खरीद की कथित अनुमति देने के बाद हुआ। भारत ने बीते कुछ दिनों में रूस से भारी मात्रा में 30 मिलियन बैरल तेल खरीदा। रूस से तेल खरीद बढ़ाने का मकसद ईरान में चल रहे युद्ध की वजह से तेल की सप्लाई में आई कमी को पूरा करना है। पिछले कुछ महीनों में भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया था। अब एक बार फिर से रूसी तेल के जहाज भारत पहुंचने लगे हैं।

17 मार्चः नंदा देवी जहाज 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचा

शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक नंदा देवी नाम का जहाज भी करीब 46 हजार टन LPG लेकर भारत आया। जहाज गुजरात के वडीनार (जामनगर) बंदरगाह पर पहुंचा था।

16 मार्चः शिवालिक जहाज 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात आया था

जंग के बीच LPG कैरियर जहाज शिवालिक कतर से गैस लेकर भारत पहुंचा। यह जहाज गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर आया था। शिवालिक जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन LPG है, जो करीब 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर बताई जा रही है।

एलपीजी संकट- राज्यों को 23 मार्च से 20% ज्यादा गैस मिलेगी

केंद्र ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को LPG सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया कि सामुदायिक रसोई, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही प्रवासी मजदूरों को प्राथमिकता से 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

घरेलू फ्लाइट्स का किराया मार्च से बढ़ा सकेंगी एयरलाइंस

इंडिगो संकट के दौरान 18 हजार तय की थी अधिकतम सीमा

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

> आदेश में कहा गया... पूरे सेक्टर में उड़ानों की क्षमता बहाल हो गई है तथा परिचालन सामान्य हो गया है। समीक्षा के बाद, यह फैसला किया गया है कि किराए पर लगाई गई सीमा को 23 मार्च, 2026 से हटा दिया जाएगा।

नई दिल्ली। अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने हवाई किराए पर लगी रोक को हटा दिया है। आदेश के मुताबिक यह फैसला 23 मार्च से लागू हुआ। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं। दरअसल, पिछले साल DGCA ने 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए थे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नाम दिया गया था। इसकी वजह से एयरलाइन कंपनी इंडिगो में स्टाफ की कमी हो गई जिससे हजारों फ्लाइंट्स कैंसिल हुईं थी। इस वजह से अन्य एयरलाइंस ने घरेलू फ्लाइट्स का किराया 50 हजार तक बढ़ा दिया था। अपने आदेश में, मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइंस को कीमतों के मामले में अनुशासन बनाए रखना होगा और जिम्मेदारी से काम करना

होगा। मंत्रालय ने कगा कि एयरलाइंस यह सुनिश्चित करेंगी कि किराया उचित, पारदर्शी और बाजार की स्थितियों के अनुरूप हो, और यात्रियों के हितों पर कोई बुरा असर न पड़े।

सम्पादकीय

कमजोर सिद्ध होते ट्रंप, जवाबी कार्रवाई करने में अब भी सक्षम ईरान

अमेरिका की ओर से इजरायल के खिलाफ छेड़ा गया युद्ध जिस तरह चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया, उससे यही लगता है कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान की सैन्य क्षमता का आकलन सही तरह नहीं किया। इसका प्रमाण केवल यह नहीं है कि ईरान जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम बना हुआ है, बल्कि यह भी है कि वह इजरायल और अमेरिका के ऐसे ठिकानों को निशाना बनाने में लगा हुआ है, जिनकी कल्पना नहीं की जाती थी। लगता है अमेरिका और इजरायल यह मानकर चल रहे थे कि जैसे पिछले वर्ष जून में उनके हमलों के सामने ईरान दो सप्ताह के अंदर ही एक तरह से पस्त पड़ गया था, वैसे ही इस बार भी पड़ जाएगा। यह साफ है कि ईरान ने इस आकलन को विफल कर दिया। इसका कारण यही हो सकता है कि उसने पिछले वर्ष अमेरिका एवं इजरायल के हमलों का सामना करने के बाद अपनी सैन्य तैयारियों पर खासा जोर दिया और कहीं अधिक व्यापक मारक क्षमता विकसित की।

यह भी स्पष्ट ही है कि अमेरिका और इजरायल यह नहीं भांप सके कि ईरान लड़ाई को विस्तार देने के लिए खाड़ी के देशों में नागरिक ठिकानों के साथ वहां के ऊर्जा स्रोतों को भी निशाना बनाकर तेल एवं गैस संकट पैदा कर सकता है। ईरान जिस तरह युद्ध को लंबा खींचने और उसे विस्तार देने में सक्षम है, उससे यही पता चलता है कि अमेरिका और इजरायल उसे लेकर मुगालते में रहे। ऐसा तभी होता है जब कोई अपनी रणनीति और सैन्य क्षमता को लेकर अति आत्मविश्वास अथवा अहंकार से ग्रस्त हो। इसमें संदेह नहीं कि ट्रंप अहंकार से भरे शासनाध्यक्ष हैं। शायद वेनेजुएला में आनन-फानन तख्तापलट करने में सक्षम रहने के बाद उनका अहंकार और बढ़ गया और इसीलिए उन्होंने इजरायल संग ईरान पर हमला बोल दिया। अब वे इसकी कीमत चुकाते दिख रहे हैं। वे भले ही खुद को सबसे शक्तिशाली शासनाध्यक्ष दर्शा रहे हों, लेकिन ईरान पर हमले के बाद ऊर्जा संकट गहराने के पश्चात उन्हें जिस तरह रूस से तेल खरीदने की अनुमति देनी पड़ी, वह उनकी कमजोरी का ही परिचायक रहा। नाटो देशों का उनकी मदद के लिए आगे न आना और अब उनकी ओर से यह कहना भी उनकी कमजोरी को ही बयान करता है कि अमेरिका इस युद्ध में अपने तय किए गए लक्ष्यों के काफी करीब पहुंच चुका है और वे ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियानों को कम करने पर विचार कर रहे हैं। पता नहीं वे सच में ऐसा सोच रहे हैं या नहीं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ईरान में सत्ता परिवर्तन के कोई आसार नहीं। यदि वे ईरान में सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य हासिल किए बिना किसी बहाने अपने कदम पीछे खींच लेते हैं तो देश-दुनिया में उनका प्रभाव तो कम होगा ही, ईरान अमेरिका के साथ-साथ इजरायल के लिए और बड़ी चुनौती भी बन जाएगा।

पप्पू से एल ओ पी तक

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

“वैसे गोली मारने की बात तो राजस्थान का एक भाजपा कार्यकर्ता कर ही चुका है। राहुल गांधी ने 11 फरवरी 2021 को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि आज देश के को चार लोग चलाते हैं हम दो हमारे दो।

आज हम एक ऐसे व्यक्ति की चर्चा करने वाले हैं जो भारत की राजनीति को एक नया मोड़ देने के लिए प्रतिबद्ध है। वैसे उसे व्यक्ति कहना शायद उचित नहीं क्योंकि वह व्यक्ति अब व्यक्तित्व बन चुका है। A person has changed into personality. ऐसे में अगर मैं यह कहूं कि आज वह एक संस्था के रूप में परिवर्तित हो चुका है, एक अलग मुकाम बना चुका है तो गलत नहीं होगा। आप सोच रहे होंगे कि मैं किसकी चर्चा कर रहा हूं तो गेश कीजिए , नहीं समझे , मैं चर्चा कर रहा हूं उत्तर प्रदेश के रायबरेली से सांसद राहुल गांधी की वहीं राहुल गांधी जो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष है यानी साइडो प्राइम मिनिस्टर । वही राहुल गांधी जो सत्ता प्रतिष्ठान की आंखों में इस तरह खटक रहा है जैसे आंख में मच्छर पड़ गया है और उसे निकालने की आप जितना प्रयास करते हैं आंख उतनी ही लाल होती जा रही है और वह मच्छर तभी बाहर आ पाता है जब वह मर जाता है । भारत की राजनीति में राहुल गांधी अकेला एक ऐसा व्यक्तित्व है जिसने न केवल भाजपा बल्कि संघ परिवार की भी नींद हराम कर रखी है। वैसे मैं अपनी बात को आगे बढाऊं उससे पहले मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि न तो मैं कांग्रेस का Spoks person हूं और न ही राहुल गांधी जी का निजी सहायक। मैं एक अदना सा पत्रकार हूं जो अपने को लाइमलाइट से दूर रखता है। मैं वह पत्रकार हूं जो एक समय Decline & Fault of Rahul Gandhi नामक पुस्तक लिख रहा था। लेकिन शनै शनै हमें यह अहसास हुआ कि राहुल गांधी वो नहीं है जो लोग समझ रहे हैं। राहुल गांधी की पद यात्रा ने उस व्यक्ति को व्यक्तित्व के रूप में बदल दिया और उनके व्यक्तित्व ने देशवासियों को बता दिया कि अकेले राहुल

गांधी संघ तथा भाजपा की नाक में दम करने की ताकत रखता है। मैं जब भी कुछ राहुल गांधी के बारे में लिखने को तत्पर होता हूं तो मुझे अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की याद आ जाती है। जो अपना प्रत्येक चुनाव हारता, धन्धा चौपट कर देता है लेकिन हिम्मत नहीं हारता है और एक दिन वह आता है जब वह अमेरिका का राष्ट्रपति बनता है। जानले की 2014 में मोदी जी भारत के प्रधानमंत्री बनकर आए थे और उस समय से भाजपा के आईटी सेल ने राहुल गांधी को पप्पू बनाना शुरू किया था। राहुल को पप्पू बनाने में भाजपा तथा संघ परिवार को करोड़ों रुपये खर्च करने पड़े लेकिन भक्तों को छोड़कर कोई भी व्यक्ति राहुल गांधी को पप्पू कहने को तैयार नहीं हुआ। सालों साल यह अभियान चला लेकिन राहुल गांधी पप्पू तो नहीं बन पाए अलबत्ता भारतीय राजनीति के उस केंद्र बिंदु पर खड़े हो गए जहां एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी का महिमा मंडल था, भक्तों की फौज थी तो दूसरी तरफ वह व्यक्ति जिसे लोग मोदी का विकल्प मान कर चल रहे थे। एक स्लोगन सा चल पड़ा था मोदी के साथ या राहुल के साथ । जब सत्ता प्रतिष्ठान अपने इस मंसूबे में कामयाब नहीं हुआ यानी राहुल गांधी को पप्पू नहीं बना पाया उनकी संसदीय छीनी गई, मकान छिना गया। यह सब हुआ कर्नाटक के कोलार में 13 अप्रैल 2019 यानी लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक भाषण को लेकर जिसमें उन्होंने कहा था कि सब चोरों के नाम मोदी सरनेम क्यों। इस भाषण पर सूरत यानी गुजरात की सीजीएम कोर्ट ने भाजपा नेता पूर्णेश मोदी की याचिका पर राहुल गांधी को जो अधिकतम सजा हो सकती थी और जिसमें संसद की सदस्यता जा सकती थी यानी 2 साल की सजा सुनाई । जिसे जैसा कि आप जानते हैं बाद में सुप्रीम कोर्ट ने बहाल कर दी। उसमें भी सत्ता प्रतिष्ठान कामयाब नहीं हो पाया । वैसे इसके जवाब में सत्ता प्रतिष्ठान कहेगा कि वह तो अदालत का फैसला था अरे मैं कहां कह रहा हूं कि फैसला आपका था जब सत्ता प्रतिष्ठान इसमें भी कामयाब होते नजर नहीं आया और राहुल गांधी के हमले चाहे लोकसभा हो संसद परिसर हो या फिर पब्लिक मीटिंग या कार्यकर्ता मीटिंग बढ़ते गए। तो अब नेता प्रतिपक्ष को गद्दार घोषित करने टपोरी कहने का सिलसिला शुरू हुआ। कभी-कभी तो मैं सोचता हूं कि आखिर बंदा किस मिट्टी का बना है जिस पर कोई हमला उसका कुछ बिगाड़ नहीं पाता। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजू को सुना जाना चाहिए कि कैसे बता रहे हैं कि राहुल गांधी गद्दार है। वह जब विदेश जाते हैं तो उन लोगों से मिलते हैं जो देश के दुश्मन है जबकि लोकतंत्र का तकाजा है कि नेता प्रतिपक्ष तथा संसदीय कार्य मंत्री के बीच अच्छी अंडरस्टैंडिंग होनी चाहिए ताकि संसद में प्रावधान उत्पन्न ना हो। भाजपा के ही सांसद निशिकांत दुबे को सुनिए वे कहते हैं कि राहुल गांधी के विदेश जाने का खर्च कौन उठाता है? साल में कितनी बार विदेश जाते हैं? इसका खुलासा होना चाहिए। भाजपा के एक और सांसद तथा पूर्व मंत्री रवि शंकर प्रसाद जी कहते हैं की साइडो पीएम विदेश में जाकर देश को बदनाम करते हैं देश के खिलाफ बोलते हैं । वगैरा-वगैरा अभी ताजा ताजा बयान भाजपा सांसद कंगना रनौत का आया है जिसमें वह कहती है कि राहुल गांधी की भाषा एक टपोरी जैसी है। वह बयान राहुल के हालिया हमलो यानी एलजी संकट तथा महंगाई पर आया था। कुल मिलाकर सवाल यह उठता है कि भाजपा नेताओं के यह बयान क्या भाजपा हाई कमान की जानकारी या मर्जी के बगैर आते है। शायद नहीं। तो फिर क्या लोकतंत्र में सवाल पूछना, आलोचना करना, जनहित के मुद्दे उठाने, देश समस्याओं पर चर्चा करना गलत है? लिखना गलत है? बहस करना गलत है? आखिर क्या वजह है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सत्ता प्रतिष्ठान की आंखों के किरकिरी बने हुए हैं। क्या सत्ता प्रतिष्ठान चाहता है कि राहुल गांधी की सदस्यता चली जाए? क्या वह सांसद ना रहे? क्या भाजपा ने उनको सांसद बनाया है? आखिर भाजपा यह क्यों नहीं स्वीकार करती कि कांग्रेस एक बड़ा राजनीतिक दल है जो लोकसभा में भाजपा के बाद सबसे बड़ा दल है। ऐसे में हमें राहुल गांधी के भी कुछ बयानो को पढ़ना चाहिए ध्यान से सुनना चाहिए और फिर यह निर्णय करना चाहिए कि लोकतंत्र को दफनाने का काम कौन कर रहा है। 21 फरवरी 2023 को राहुल गांधी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि भारत में फासिज्म आ चुका है। लोकतांत्रिक संस्थाएं ढह रही हैं। मुझे 2 साल तक संसद में बोलने नहीं दिया गया, विचारों की लड़ाई में अगर जरूरत पड़ी तो मैं अपनी जान भी दे सकता हूं। 17 जनवरी 2023 को पंजाब के होशियारपुर में मीडिया से राहुल गांधी ने कहा कि यदि कोई उसका गला भी काट दे तो भी वह संघ मुख्यालय नागपुर नहीं जाएंगे। 19 जनवरी 2021 को कृषि कानून को लेकर मोदी सरकार को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं नरेंद्र मोदी या बीजेपी से डरता नहीं। यह लोग मुझे यहां हाथ नहीं लगा सकते लेकिन गोली मरवा सकते हैं।

न्यायमूर्ति बी.वी...

कमलेश पांडेय

आखिर नफरत भरे भाषण पर कब सजग और सक्रिय होंगे हमारे हुक्मरान?

नफरत भरे भाषण, किसी भी सभ्य समाज के लिए वैचारिक कैंसर और सामाजिक एड्स के जैसा जानलेवा है, लेकिन दुनियावी तर्ज पर भारतीय लोकतंत्र में भी यह एक बुनियादी राजनीतिक-सामाजिक फैशन बनता प्रतीत हो रहा है। कोढ़ में खाज यह कि 'बहुमत की भूखी' संसद और उसके 'इशारे पर कुछ कुछ फैसले लेने के आदी बन चुके' सुप्रीम कोर्ट ने आजादी के 8वें दशक में भी विषाक्त बयानबाजियों के खिलाफ कोई कड़ा राष्ट्रवादी स्टैंड नहीं लिया ताकि राष्ट्रीय एकता व अखंडता पर अनवरत रूप से जारी साम्राज्यवादी वैचारिक हमले की धार कुंद की जा सके! ऐसा इसलिए कि इनकी भी अपनी विवशता है! चूंकि पद और गोपनीयता की शपथ लेने वाले अधिकार संपन्न लोग ब्रितानी नौकरशाही और राजशाही के इशारे पर बने भारतीय संविधान₹ को मानने को अभिशप्त हैं और अपनी व्यवहारिक और मौलिक सोच को ताखे पर रख चुके हैं, इसलिए हर जनतांत्रिक बीमारी लाइलाज हो चुकी है और भारत माता अपनी ही संतानों को निरंतर मुखाग्नि देते देते थककर बूढ़ी हो चली है। राष्ट्रीय दुर्भाग्य यह कि पहले मुस्लिम शासकों और फिर अंग्रेजी नौकरशाहों ने भारत को जातीय, साम्प्रदायिक, भाषाई-क्षेत्र और लिंग के लिहाज से बांटकर निरंतर कमजोर रखने की जो साजिश रची, उसे अँग्रेजों के लाभुक इशारों पर चलने वाले भारत के आजादी कालीन नेताओं ने बहुमत प्राप्ति का लोकतांत्रिक आधार बना दिया। पहले अखंड भारत को खंडित किया और फिर जाति-धर्म-भाषा की तुष्टीकरण वाले अंग्रेजी कानूनों को हूबहू स्वीकार कर लिया। इससे सामाजिक विखण्ड की प्रक्रिया तेज हुई। चौंकाने वाली बात तो यह कि कांग्रेस को कमजोर करने के लिए समाजवादियों और राष्ट्रवादियों ने भी जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र से जुड़े जनभावनाओं को भड़काया और बहुमत पाकर सत्ता हथियाया लेकिन भारतीयों

की नीतिगत एकजुटता की बात मील का पत्थर बनकर रह गई। मतलबी सरकारें बदलती रहीं, भारत माता की आत्मा पर अनगिनत प्रहार जारी हैं, लेकिन हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट प्रबुद्ध और सुसंस्कृत भारत के निर्माण की जगह यूरोपीय और अरबी कलह को भारत पर थोपने की मूर्खता प्रदर्शित कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। यह कितनी मूर्खतापूर्ण बात है कि आजाद भारत में गरीबी और अपराध को जातीय चश्मे से देखा जाता है, सवर्ण यानी सामान्य जाती विरोधी कानून बनाये जाते हैं और सुप्रीम कोर्ट भी ऐतिहासिक सामाजिक अन्याय का जिक्र करते हुए वर्तमान और भविष्य के सवर्ण विरोधी सामाजिक अन्याय किये जाने के निकृष्ट जनतांत्रिक विचारों पर मोहर लगाता है। खासकर भारतीय संविधान से जुड़े संवैधानिक अनुच्छेद (14, 15, 19, 21, SC/ST Act) की तर्क-संभाव्यता, आदि) को भी विस्तार से देखने और इनपर पुनर्विचार की जरूरत है। अन्यथा, देर सबेर सामान्य जातियों के बीच भी संसद और सुप्रीम कोर्ट का अप्रासंगिक होना तय है। यक्ष प्रश्न है कि आखिर बहुमत की राजनीति के लिए समाज को कब तक झुलसाया जाएगा क्योंकि जब सहिष्णुता के विचार बदलेंगे तो व्यवस्था बदलते देर नहीं लगेगी! चूंकि प्रभावित पक्षों के लिए भारतीय संविधान का पक्षपाती दृष्टिकोण एक ऐसा 'मटमैला पन्ना' है, जो जाति, सम्प्रदाय, भाषा, क्षेत्र, लिंग आदि में वैधानिक विभेद रचता है और उसे सामान्य जातियों के खिलाफ ऐतिहासिक सामाजिक अत्याचार का प्रतिफल करार देता है। हैरत की बात है कि संविधान जिन लोगों को कानूनी संरक्षण देता है, उनके व्यक्तिगत और सामाजिक उत्पातों पर से भी प्रशासन अपनी आंखें फेर लेता है, यह जमीनी हकीकत है, इसलिए कतिपय सवाल लाजिमी है। बहरहाल, नफरती भाषण सम्बन्धी जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट का स्टैंड व्यावहारिक है, और संवैधानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो काफी संतुलित और सही माना जा सकता है, लेकिन यह बिना विवाद के नहीं है—विशेषकर जातिगत भावनाओं के मामले में। सवाल है कि नफरत भरे भाषण सुप्रीम कोर्ट का रुख क्या था? तो जवाब होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण को अलग-से “जाति-आधारित दंडनीय अपराध” घोषित करने की भी याचिका पर विशेष निर्णय देने से इनकार कर दिया और याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने स्पष्ट कहा कि “केवल ब्राह्मण ही क्यों, किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण स्वीकार्य नहीं है”, यानी एक विशेष जाति को अलग-सा “हेट स्पीच” खंड के तहत नहीं रखा जाना चाहिए।

लिहाजा, नेताओं को भी इसी भावना से सख्त कानून बनाना चाहिए। सवाल है कि आखिर क्यों सुप्रीम कोर्ट का यह स्टैंड तर्कसंगत है?

तो जवाब होगा कि भारतीय संविधान और फिलहाल लागू कानून (जैसे दंड संहिता की धाराएँ, आईटी एक्ट, निर्वाचन कानून, आदि) में दंगे, भड़काऊ भाषण और जाति-आधारित उत्पीड़न के खिलाफ पहले से ही दंड का प्रावधान है; लिहाजा, कोर्ट ने इन्हीं तंत्रों को इस्तेमाल करने पर ज़ोर दिया, बजाय एक नई जाति-विशेष श्रेणी बनाने के।

अंग्रेजो को भारत...

अशोक भाटिया

सिन्धी समाज को गोरवान्तिक करते है शहीद हेमू कालानी

कौन सोच सकता था कि सिंधी लोग भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल थे? क्या सिंधी लोग एक विचित्र, धन-लोभी, शोषक और असभ्य समुदाय नहीं थे? सिन्धीयों ने आजादी के लिए न अपना देश छोड़ा परन्तु इतिहास गवाह है कि देश की आजादी में सिंधियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। विभाजन के बाद, सिंधी समुदाय ने न केवल अपनी पहचान बनाए रखी, बल्कि भारत के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंधी समुदाय के कई सदस्यों ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और देश के लिए बलिदान दिया। आजादी की लड़ाई में भारत के सभी प्रदेशो का योगदान रहा। अंग्रेजो को भारत से भगा कर देश को जिन वन्दनीय वीरो ने आजाद कराया उनमे सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी को भारत देश कभी नही भुला पायेगा। हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर में 23 मार्च सन 1923 में जन्में थे। उनके पिताजी का नाम पेसूमल कालाणी एवं उनकी मां का नाम जेठी बाई था।हेमू बचपन से साहसी तथा विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे। हेमू कालाणी जब मात्र 7 वर्ष के थे तब वह तिरंगा लेकर अंग्रेजो की बस्ती में अपने दोस्तों के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते थे। 1942 में 19 वर्षीय किशोर क्रांतिकारी ने ‘अंग्रेजो भारत छोड़ो’ नारे के साथ अपनी टोली के साथ सिंध प्रदेश में तहलका मचा दिया था और उसके उत्साह को देखकर प्रत्येक सिंधवासी में जोश आ गया था। बताया जाता है कि जब वह मात्र सात वर्ष के थे, तभी तिरंगा लेकर अंग्रेजों की बस्ती में चले जाते थे और अपने मित्रों के साथ निर्भीक होकर सभाएं करते थे। वह पढ़ाई-लिखाई में

अच्छे होने के अलावा अच्छे तैराक तथा धावक भी थे। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुए थे। आठ अगस्त,1942 को गांधी जी ने ‘अंग्रेजो भारत छोड़ो’ तथा ‘करो या मरो’ का नारा दिया। गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता लेंगे या फिर जान दे देंगे। अंग्रेजों को जाना ही होगा। इससे देश की जनता अंग्रेजों के विरुद्ध उद्वेलित हो गई थी और क्रांतिकारी गतिविधियां तेज हो गई थीं। फलतः ब्रिटिश सरकार क्रांतिकारियों का दमन करने लगी। सिंध प्रांत में जब यह आंदोलन तीव्र हुआ तो किशोरों व नवयुवकों के साथ हेमू कालाणी भी ‘स्वराज सेना’ के जरिए मुख्य भूमिका में इससे जुड़ गए।8 अगस्त 1942 को गांधी जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोडो आन्दोलन तथा करो या मरो का नारा दिया। इससे पूरे देश का वातावरण एकदम गर्म हो गया। गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या इसके लिए जान दे देंगे। अंग्रेजों को भारत छोड कर जाना ही होगा। जनता तथा ब्रिटिश सरकार के बीच लडाई तेज हो गई।८ अधिकांश कांग्रेसी नेता पकड पकड कर जेल में डाल दिए गए। इससे छात्रों,किसानों,मजदूरों,आदमी,औरतों व अनेक कर्मचारियों ने आन्दोलन की कमान स्वयं सम्हाल ली। पुलिस स्टेशन,पोस्ट आफिस,रेलवे स्टेशन आदि पर आक्रमण प्रारंभ हो गए।

सूने हैं पनघट और प्यासे हैं पोखर-ताल

संस्कृत वांग्मय का आंगन जल-माहात्म्य के श्लोकों एवं ऋचाओं से परिपूर्ण है। 'आपः वंदे मातरम्' कह कर प्राणिमात्र के पोषण के लिए जल को माता की भूमिका में स्वीकार कर श्रद्धा एवं सम्मान अर्पित किया गया है। लोक जीवन में जल वरुण देवता के रूप में पूजित एवं अर्चित हैं। हिंदू परम्परा में जन्म से मृत्यु पर्यंत समस्त कर्मकाण्ड जल के सान्निध्य में ही सम्पन्न होते हैं। नव प्रसूता द्वारा कुआं पूजन की रस्म इसी रीति का आवश्यक अंग बनकर जीवन के सर्वांगीण विकास में जल की उपयोगिता पर लोक की ललित छाप ही है। किसी अनुष्ठान हेतु उद्यत यजमान हथेली में कुश, अक्षत और जल लेकर ही संकल्पबद्ध होता है तो सरिता एवं सरोवरों में स्नानोपरांत अंजुलि में जल लेकर सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर लोक के योगक्षेम की कामना के मनोहारी दृश्य भी दिखते हैं।

प्रमोद दीक्षित मलय

जरा हटके

यह न केवल निजता...

डॉ. शैलेश शुक्ला

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग और नैतिकता उल्लंघन के निरंतर बढ़ते मामले

समय की संवेदी सरिता जब तकनीक के तीव्र तरंगों से टकराती है, तब विकास का विस्तार तो होता है, किंतु साथ ही मूल्य, मर्यादा और नैतिकता की परीक्षा भी प्रारंभ हो जाती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जिसे आधुनिक युग की अद्भुत उपलब्धि कहा जा रहा है, आज मानव जीवन के हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है—शिक्षा से चिकित्सा तक, मीडिया से सैन्य तक, और संवाद से निर्णय तक। किंतु इसी के साथ एक गंभीर प्रश्न भी सामने खड़ा हो गया है कि क्या यह तकनीक अपने साथ नैतिकता के संकट को भी जन्म दे रही है। आज विश्व स्तर पर एआई के प्रयोग के साथ नैतिकता उल्लंघन के मामले निरंतर बढ़ रहे हैं, और यह प्रवृत्ति केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि एक वैश्विक चुनौती बनती जा रही है। यदि इस विषय को प्रमाणिक तथ्यों और शोध के आधार पर समझें, तो स्पष्ट होता है कि एआई के दुरुपयोग की घटनाएँ अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का रूप ले चुकी हैं। यूनेस्को द्वारा प्रकाशित विश्लेषण में यह उल्लेख किया गया है कि डीपफेक और जनरेटिव एआई के बढ़ते उपयोग के साथ धोखाधड़ी के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जहाँ 46 प्रतिशत धोखाधड़ी विशेषज्ञों ने “सिंथेटिक आइडेंटिटी फ्रॉड” का सामना किया, 37 प्रतिशत ने वॉयस डीपफेक और 29 प्रतिशत ने वीडियो डीपफेक का अनुभव किया। यह आँकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि एआई अब केवल सहायक उपकरण नहीं, बल्कि अपराध और अनैतिक गतिविधियों का साधन भी बनता जा रहा है। डीपफेक तकनीक नैतिक उल्लंघन का सबसे गंभीर उदाहरण बनकर उभरी है। अंतरराष्ट्रीय एआई सुरक्षा रिपोर्टों में यह बताया गया है कि डीपफेक सामग्री का लगभग 96 प्रतिशत हिस्सा अश्लील प्रकृति का होता है और इसका अधिकांश लक्ष्य महिलाएँ होती हैं। यह तथ्य केवल तकनीकी दुरुपयोग नहीं, बल्कि सामाजिक और लैंगिक असमानता का भी प्रतीक है। हाल के वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जहाँ महिलाओं और किशोरियों की छवियों को बिना उनकी अनुमति के एआई के माध्यम से परिवर्तित कर अश्लील सामग्री बनाई गई और प्रसारित की गई। यह न केवल निजता का उल्लंघन है, बल्कि मानवीय गरिमा पर सीधा आघात भी है। वर्ष 2025-26 में सामने आया “ग्रोक डीपफेक प्रकरण” इस समस्या की भयावहता को और स्पष्ट करता है। रिपोर्टों के अनुसार इस एआई उपकरण के माध्यम से प्रति घंटे हजारों “न्यूडिफिकेशन” चित्र बनाए जा रहे थे, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों को लक्षित किया गया। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि यदि एआई पर पर्याप्त नियंत्रण और नैतिक दिशा-निर्देश न हों तो यह तकनीक बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का माध्यम बन सकती है। नैतिक उल्लंघन का दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है “भ्रामक सूचना और दुष्प्रचार”। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में यह चेतावनी दी गई है कि एआई के माध्यम से अत्यंत यथार्थवादी झूठी सामग्री तैयार की जा सकती है, जो चुनावों को प्रभावित कर सकती है और सामाजिक अशांति उत्पन्न कर सकती है। एक अध्ययन में यह पाया गया कि 2023 में लगभग 5 लाख डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए। यह संख्या केवल सूचना की मात्रा नहीं, बल्कि भ्रम और अविश्वास के विस्तार का संकेत है। माइक्रोसॉफ्ट के एक अध्ययन में यह पाया गया कि लोग एआई द्वारा निर्मित छवियों को पहचानने में केवल 62 प्रतिशत तक ही सफल हो पाते हैं। इसका अर्थ यह है कि अधिकांश लोग वास्तविक और कृत्रिम सामग्री के बीच अंतर करने में असमर्थ हैं, जिससे समाज में भ्रम, अविश्वास और असत्य का प्रसार बढ़ रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र, मीडिया और सामाजिक समरसता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। नैतिक उल्लंघन का तीसरा प्रमुख क्षेत्र है “निजता और डेटा का अतिक्रमण”। एआई प्रणाली विशाल मात्रा में डेटा पर निर्भर करती है, और यह डेटा अक्सर उपयोगकर्ताओं की जानकारी और सहमति के बिना एकत्र किया जाता है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि एआई आधारित प्रणालियाँ उपयोगकर्ताओं के व्यवहार, पसंद और व्यक्तिगत जानकारी का गहन विश्लेषण करती हैं जिससे “सर्विलांस कैपिटलिज्म” की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यह स्थिति व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गोपनीयता के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न करती है। शैक्षणिक और सृजनात्मक क्षेत्र में भी एआई नैतिकता के उल्लंघन का कारण बन रहा है। अनेक अध्ययनों में यह पाया गया है कि एआई के माध्यम से तैयार सामग्री के स्वामित्व, मौलिकता और बौद्धिक संपदा के प्रश्न जटिल होते जा रहे हैं। छात्र और शोधार्थी एआई का उपयोग करके सामग्री तैयार कर रहे हैं, जिससे “शैक्षणिक ईमानदारी” पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। यह स्थिति ज्ञान और शोध की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। एक और अत्यंत गंभीर क्षेत्र है “बाल सुरक्षा”। यूनिसेफ की 2026 की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि एआई के माध्यम से बच्चों की छवियों को अश्लील रूप में परिवर्तित करने के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है, और कम से कम 11 देशों में 12 लाख बच्चों की छवियों का दुरुपयोग किया गया। यह तथ्य न केवल तकनीकी दुरुपयोग का उदाहरण है बल्कि यह मानवता के मूल्यों पर गंभीर आघात भी है। सामाजिक मीडिया के संदर्भ में एआई का उपयोग और भी जटिल हो जाता है। हालिया विश्लेषणों में यह पाया गया है कि एआई का उपयोग निगरानी, मानसिक प्रभाव और सामाजिक विभाजन को बढ़ाने में भी किया जा रहा है। एल्गोरिद्म आधारित सामग्री चयन उपयोगकर्ताओं को “इको चेंबर” में सीमित कर देता है, जिससे वे केवल उन्हीं विचारों को देखते हैं जो उनके पूर्वाग्रहों से मेल खाते हैं। यह स्थिति सामाजिक संवाद और लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करती है। इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट है कि एआई के नैतिक उल्लंघन के मामले केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक समस्या भी हैं। यह केवल मशीनों की त्रुटि नहीं, बल्कि मानव की मंशा और नियंत्रण की कमी का परिणाम है। इसके समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास भी किए जा रहे हैं। यूनेस्को ने एआई नैतिकता के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और मानव अधिकारों की रक्षा को प्रमुख सिद्धांत के रूप में शामिल किया गया है। यूरोपीय संघ का एआई अधिनियम भी उच्च जोखिम वाली एआई प्रणालियों पर कड़े नियंत्रण की व्यवस्था करता है। भारत में भी डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के माध्यम से इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

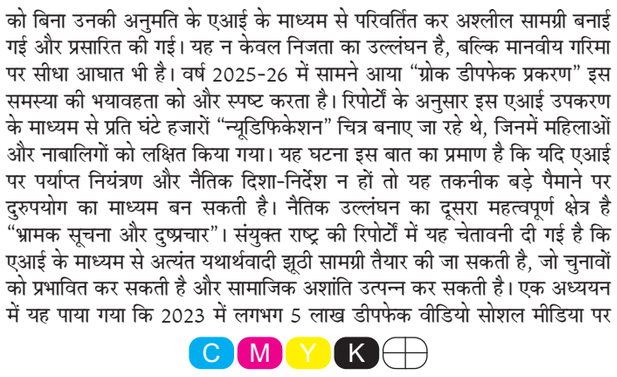

केकेआर के पेसर इंजरी के कारण नहीं खेलेंगे, मेगा ऑक्शन में एक करोड़ में खरीदा था

आकाश दीप आईपीएल 2026 से बाहर हुए

झटका

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को IPL 2026 से पहले एक और झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। शनिवार को क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की 29 साल के बंगाल के इस गेंदबाज को पिछले साल अबू धाबी में हुए मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर टीम ने खरीदा था। हालांकि, वह अब तक कैंप से नहीं जुड़े हैं। आकाश दीप बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में रिहैब कर रहे हैं। उनकी चोट किस तरह की है, यह साफ नहीं हो सका है, लेकिन

मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी के बीच इसको लेकर बातचीत हुई है। 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। 13 मार्च को KKR ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में साइन किया है। रहमान को BCCI के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था। 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

हर्षित राणा भी बाहर हुए

KKR के लिए यह चिंता बढ़ाने वाली खबर है, क्योंकि इससे पहले हर्षित राणा और मथीशा पथिराना को लेकर भी टीम को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से क्लियरेंस मिलना बाकी है। टीम ने 18 मार्च से कोलकाता में कैंप शुरू किया है, लेकिन आकाश दीप इसमें शामिल नहीं हो पाए।

केकेआर को पथिराना के फिट होने की उम्मीद

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि KKR उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे IPL के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। KKR ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने KKR जर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है। 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

आकाश दीप ने IPL के 14 मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं।

16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

जीशान ने ईशान को आउटकर बाहर जाने का इशारा किया

चार गेंद में 20 रन खाने के बाद विकेट लिया, किशन मुस्कुराते हुए लौटे

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 की शुरुआत 28 मार्च से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनिंग मैच के साथ होने वाली है। इससे पहले अब बीते शनिवार यानी 21 मार्च को हैदराबाद ने एक प्रैक्टिस मैच भी खेला। इस मैच में गेंदबाज जीशान अंसारी ने अपने स्टेंड इन कप्तान ईशान किशन को आउट कर उंगली उठाकर उन्हें बाहर जाने का इशारा किया। इसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, ईशान किशन हंसते हुए बाहर चले गए। दरअसल, यह घटना दूसरी पारी के 8वें ओवर में हुई, जिसे 26 साल के लेग स्पिनर जीशान अंसारी गेंदबाजी कर रहे थे। ईशान किशन ने ओवर की शुरुआती चार गेंदों पर दो छक्के और दो चौके जड़कर 20 रन बना लिए। हालांकि, अगली ही गेंद पर जीशान अंसारी ने उन्हें

डीप स्क्वायर लेग पर कैच आउट करा दिया। ईशान किशन का विकेट लेने के बाद जीशान अंसारी ने उंगली से इशारा करते हुए उन्हें मैदान से बाहर जाने का संकेत दिया।

इस दौरान जीशान थोड़े गंभीर नजर आए, जबकि ईशान किशन उनके इस इशारे पर मुस्कुराते हुए पवेलियन लौट गए। ईशान किशन को नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि अभिषेक शर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। पैट कमिंस इंजरी से रिकवर कर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती कुछ मैच हैदराबाद के लिए IPL 2026 में मिस करेंगे। कमिंस चोट की वजह से टी-20 वर्ल्ड कप से भी बाहर थे। ईशान किशन और अभिषेक शर्मा हाल ही में भारतीय टीम के साथ टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर आ रहे हैं। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीता था। पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, आर. स्मरण, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, हर्षल पटेल, ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, जीशान अंसारी, शिवांग कुमार, सलिल अरोड़ा, ओंकार तरमाले, साकिब हुसैन, क्रेन्स फुलेट्रा, प्रफुल्ल हिंज, अमित कुमार, लियाम लिविंगस्टन, अमित कुमार।

स्क्रिप्ट में बदलाव और एक्टर प्रशांत तमांग के निधन से हो रही है देरी

सलमान खान की फिल्म मातृभूमि की रिलीज डेट टली

मुंबई, एजेंसी

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज डेट फिलहाल टाल दी गई है और स्क्रिप्ट में कुछ बदलावों के कारण फिल्म आगे बढ़ाई गई है। ऐसा दावा इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में किया गया है। देरी की एक बड़ी वजह एक्टर-सिंगर प्रशांत तमांग का अचानक निधन भी बताई गई है। हालांकि, अभी तक मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर फिल्म की रिलीज डेट में कोई बदलाव नहीं किया है। बता दें कि फिल्म की रिलीज 17 अप्रैल को तय की गई थी। रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि इंडियन आइडल 3 के विनर और एक्टर प्रशांत तमांग को मेन विलेन के रोल के लिए साइन किया गया था और उन्होंने कई अहम सीन

की शूटिंग भी पूरी कर ली थी। हालांकि, इस साल जनवरी में उनके निधन से पहले कुछ अहम सीन की शूटिंग बाकी थी। एक समय पर, टीम या तो इस रोल के लिए किसी दूसरे एक्टर को कास्ट करने पर विचार कर रही थी या फिर AI और VFX का इस्तेमाल करके बाकी सीन में प्रशांत का चेहरा जोड़ने पर। हालांकि, इसके लिए उनके परिवार की मंजूरी जरूरी होगी।

> "सूत्र ने बताया, 'टीम के कुछ शेड्यूल तय थे, जिनमें प्रशांत को बेहद अहम सीन शूट करने थे। उनके जाने के बाद टीम गहरे संकट में है।' हालांकि, मेकर्स ने शुरू में उनके सीन रीशूट करने के बारे में सोचा था, लेकिन फिलहाल यह मुमकिन नहीं लग रहा है। सूत्र ने कहा, 'क्लोज-अप शॉट्स मैनेज किए जा सकते हैं, लेकिन वह एक बड़े एक्शन सीक्वेंस का भी हिस्सा थे। यह न सिर्फ आर्थिक रूप से मुश्किल होगा बल्कि लॉजिस्टिक तौर पर भी मुश्किल होगा।'"

सलमान की डेट्स भी उपलब्ध नहीं हैं

इसके अलावा सूत्र ने बताया कि सलमान खान की डेट्स उपलब्ध नहीं हैं और उनके लुक की कंटिन्यूटी भी मुश्किलें बढ़ा रही हैं, जिससे टीम के लिए हालात और ज्यादा चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं। इस साल जनवरी में उनके निधन से पहले कुछ अहम सीन की शूटिंग बाकी थी।

शकीरा का इंडिया कॉन्सर्ट पोस्टपोन

ईरान-इजराइल तनाव के कारण फैसला

मुंबई, एजेंसी

ग्लोबल पॉप स्टार शकीरा का अप्रैल में होने वाला 'फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट' फिलहाल टाल दिया गया है। ऑर्गनाइजर्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अभी तक कॉन्सर्ट की नई तारीखों का एलान नहीं किया गया है। शकीरा का मुंबई में 10-11 अप्रैल और दिल्ली में 15 अप्रैल को परफॉर्म करने का शेड्यूल था। इससे पहले अमेरिकी रैपर कान्ये वेस्ट का कॉन्सर्ट भी भारत में दो महीने के लिए आगे बढ़ा दिया गया था। कॉन्सर्ट ऑर्गनाइजर 'डिस्ट्रिक्ट' ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, मौजूदा जियो पॉलिटिकल स्थिति और क्षेत्रीय

तनाव के कारण शकीरा का कॉन्सर्ट अगले नोटिस तक पोस्टपोन किया जा रहा है। हमारे लिए फैंस, आर्टिस्ट और प्रोडक्शन टीम की सुरक्षा सबसे ऊपर है।

ऑर्गनाइजर्स ने बताया कि वे शकीरा की टीम के साथ मिलकर नई तारीखों पर काम कर रहे हैं और जैसे ही कुछ फाइनल होगा, उसकी जानकारी दी जाएगी।

बदबू से यात्री परेशान, लेकिन फ्लाइट नहीं रोकी, टेकऑफ के 1 घंटे बाद मौत हुई थी

प्लेन में 13 घंटे रखा रहा महिला का शव

परेशानी

लंदन, एजेंसी

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब 1 घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी

स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता। एयरलाइन ब्रिटिश एयरवेज ने कहा कि सभी नियमों का सही तरीके से पालन किया गया और वे महिला के परिवार के साथ हैं। फिर पायलट फैसला करता है कि फ्लाइट को बीच में उतारना है या आगे बढ़ाना है। आमतौर पर फ्लाइट को अपने मंजिल तक ले जाया जाता है, क्योंकि हर मामले को इमरजेंसी नहीं माना जाता। अगर यात्री की मौत हो जाती है, तो शव को कंबल या बॉडी बैग से ढंक दिया जाता है। फिर उसे खाली सीट या प्लेन के पीछे वाले हिस्से (गैली) में रखा जाता है। अगर सीट खाली नहीं हो तो शव को उसी सीट पर रखा जा सकता है।

शव कंबल में लपेट कर गैली में रखा गया

क्रू मेंबर्स ने पहले शव को टॉयलेट में रखने का सोचा, लेकिन बाद में उसे कंबल में लपेटकर गैली में रख दिया गया। गैली विमान का वह हिस्सा होता है, जहां फ्लाइट स्टाफ (क्रू) खाना-पीना तैयार करता है और सामान रखता है। यहीं से यात्रियों को खाना, दी जाती है। लंदन पहुंचने पर पुलिस ने विमान में आकर जांच की और करीब 45 मिनट तक यात्रियों को सीट पर ही बैठाए रखा गया।

प्लेन में किसी की मौत हो जाए तो क्या किया जाता है?

हवाई यात्रा के दौरान अगर किसी यात्री की मौत हो जाती है, तो एयरलाइंस एक तय नियम के मुताबिक काम करती हैं। ये नियम इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) की गाइड-लाइन्स पर आधारित होते हैं। सबसे पहले फ्लाइट का स्टाफ उस यात्री को बचाने की कोशिश करता है। CPR दिया जाता है और अगर प्लेन में कोई डॉक्टर हो तो उसकी मदद ली जाती है। इसके बाद पायलट को जानकारी दी जाती है।

एयरलाइन हर मामले में मुआवजा नहीं देती

हवाई यात्रा के दौरान अगर किसी यात्री की मौत हो जाती है, तो हर मामले में एयरलाइन मुआवजा नहीं देती। मुआवजा तभी दिया जाता है, जब एयरलाइन की गलती या लापरवाही साबित हो। नियमों के मुताबिक, एयरलाइन की जिम्मेदारी होती है कि वह यात्री को तुरंत मदद दे।

प्लेन में कब इमरजेंसी मानी जाती है?

हवाई यात्रा के दौरान हर समस्या को इमरजेंसी नहीं माना जाता। एविएशन नियमों के मुताबिक, जब विमान, यात्रियों या क्रू की जान को खतरा होता है, तभी स्थिति को इमरजेंसी घोषित किया जाता है। पायलट ऐसी स्थिति में "मेडे मेड" या "पैन पैन" कॉल देकर इमरजेंसी की जानकारी देता है और आगे का फैसला लेता है।

48 घंटे में हॉर्मुज-स्ट्रेट नहीं खुला तो ईरान पर हमला

ट्रम्प की चेतावनी से शेयर बाजार में डर

नई दिल्ली, एजेंसी

23 मार्च से शुरू होने वाले हफ्ते में निवेशकों को भारी उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए। मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें, विदेशी निवेशकों की एक्टिविटी और ग्लोबल मार्केट की चाल बाजार की दिशा तय करने वाले मुख्य कारण होंगे। पिछले कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 300 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ, वहीं निफ्टी ने भी 23,100 के पार क्लोजिंग दी। शुक्रवार की तेजी के बाद क्या बाजार इस बढ़त को बरकरार रख पाएगा। चलिए समझते हैं सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। यहां खरीदारी का मौका हो सकता है। रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को

ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर तेजी की उम्मीद रहती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल से जुड़े ऊर्जा ढांचे पर हमला करेगा। अगर यह संघर्ष और खिंचता है, तो निवेशकों का भरोसा डगमगा सकता है। इससे बाजार में गिरावट आ सकती है।

भारत में आतंकी घटनाओं में 43% की कमी

पाकिस्तान आतंकवाद प्रभावित देशों में टॉप पर, आतंकी हमलों की संख्या में भी 22% गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में पिछले एक साल में आतंकी घटनाओं में 43% की कमी दर्ज की गई है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 की सूची में भारत 13वें स्थान पर आ गया है। पिछले साल के मुकाबले भारत दो पॉइंट नीचे आ गया है। इससे पहले भारत 11वें स्थान पर था। वहीं, सूची के अनुसार दक्षिण एशिया लगातार दसवें वर्ष आतंकवाद से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र बना हुआ है। पहली बार पाकिस्तान इस लिस्ट में टॉप पर है और आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देश बन गया है। अफगानिस्तान में हालात में सुधार है और यह अब टॉप 10 देशों की लिस्ट से बाहर आ गया है। दुनियाभर में 2025 में आतंकवाद से होने वाली मौतों में 28% की कमी आई है। आतंकी हमलों की संख्या भी लगभग 22% गिरकर 2,944 हो गई है। कुल मिलाकर इस साल 81 देशों में

स्थिति सुधरी है, जबकि 19 देशों में स्थिति खराब हुई है। पश्चिमी देशों में आतंकवाद से होने वाली मौतों में लगभग 280% तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। साथ ही यूरोपियन यूनियन की रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में 14 यूरोपीय यूनियन (ईयू) देशों में कुल 58 आतंकी हमले दर्ज हुए। इनमें फ्रांस (14 हमले) और जर्मनी (6 हमले) प्रमुख रहे। इसके अलावा 20 ईयू देशों में आतंकवाद से जुड़े मामलों में 449 लोगों की गिरफ्तारी हुई। ब्रिटेन में 3000 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं।

6 फैक्टर प्रोपेगेंडा से युवाओं को एक हफ्ते में बना रहे कट्टरपंथी

- **हिंसा को लेकर डर खत्म करते हैं-** चरमपंथी विचारधारा को 'कूल' या आधुनिक बनाकर पेश करते हैं। हिंसक घटनाओं को मजाकिया मीम्स में बदल दिया जाता है, जिससे युवाओं के मन में हिंसा का डर खत्म हो जाता है ।
- **गेमिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल-** डिस्कॉर्ड, ट्विच, रॉबलॉक्स और फोर्टनाइट जैसे गेमिंग प्लेटफॉर्म पर अलग-थलग महसूस करने वाले किशोरों के साथ दोस्ती करते हैं और दिनों या घंटों के भीतर उनका विश्वास जीत लेते हैं।
- **गेमिफिकेशन-** आतंकवाद को एक खेल की तरह पेश किया जा रहा है। ऑनलाइन समूहों में किल काउंट (मौतों की संख्या) के लिए स्कोरबोर्ड बनाए जाते हैं, जो युवाओं को हिंसा के लिए प्रेरित करते हैं।
- **फनल स्ट्रैटजी-** कट्टरपंथी नेटवर्क पहले सोशल मीडिया पर युवाओं को पहचानते हैं और फिर उन्हें टेलीग्राम या सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड चैट रूम में ले जाते हैं। यहां उनका ब्रेनवॉश किया जाता है।
- **किशोरों की संवेदनशीलता-** किशोरों के मस्तिष्क का आवेग नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हिस्सा विकसित नहीं होता। वे प्रोपेगेंडा से प्रभावित हो बिना सोचे समझे हिंसक कदम उठा लेते हैं।
- **भर्ती का नया तरीका-** अब भर्ती के लिए बड़े नेता की जरूरत नहीं पड़ती। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर युवा खुद अपने साथियों को कट्टरपंथी बना रहे हैं।

कतर में हेलीकॉप्टर हादसे में छह लोगों की मौत

एक अभी भी लापता, बचाव अभियान जारी

दोहा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कतर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। कतर के क्षेत्रीय जल में रविवार तड़के हेलीकॉप्टर दुर्घटना हुई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। इस बात की पुष्टि कतर के आंतरिक मंत्रालय की। मंत्रालय ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति अभी भी लापता है और उसकी तलाश जारी है। दुर्घटना के बाद बचाव और खोज अभियान तेज कर दिया गया है। आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि बचाव और खोज अभियान जारी है और अधिकारी अभी एक लापता व्यक्ति को ढूंढने में जुटे हैं। हादसे के बाद तटीय सुरक्षा और रेस्क्यू टीमों ने तेजी से काम शुरू किया, लेकिन समुद्री हालात बचाव कार्य को चुनौती दे रहे हैं। अधिकारी हर संभव संसाधन लगा कर इस मिशन को सफल

बनाने की कोशिश में हैं। बता दें कि इस हादसे की जानकारी पहले कतर के रक्षा मंत्रालय ने दी थी। कतर सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि इस हादसे के बाद लापता व्यक्ति की खोज और हालात का आकलन करने के लिए कई यूनिट्स को लगाया गया है। रेस्क्यू जहाज, निगरानी उपकरण और प्रशिक्षित कर्मी खोज क्षेत्र में तैनात हैं ताकि बचाव के मौके बढ़ सकें। जहां एक ओर समुद्री हालात बचाव कार्य में बाधा डार रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कतर सरकार मौसम और समुद्री हालात पर भी नजर रखी जा रही है, क्योंकि ये बचाव कार्य की सुरक्षा और गति को प्रभावित कर सकते हैं। कतर सरकार ने कहा है कि सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर खोज और बचाव कार्य को सुरक्षित और प्रभावी तरीके से जारी रखा जाएगा।

समाजवादी पेंशन भी शुरू करेंगे, 'धुरंधर' पर तंज- भाजपा पैसे देकर फिल्में बनवा रही

सरकार बनी तो महिलाओं को 40 हजार देंगे : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार के संभावित कैबिनेट विस्तार पर तंज कसा। कहा- इन लोगों ने नवरात्रि में कैबिनेट विस्तार का तय किया है। यह तो रुठे हुए को मनाने का प्रयास है, जब बजट पूरा खर्च हो गया है, तो मंत्री बना रहे हैं। कई विभागों को जल्दी-जल्दी बजट दिया जा रहा। एक विभाग ने एक हजार करोड़ के टेंडर स्वीकृत भी कर दिए, उसमें सेवई मिली या गुझिया मिली, इसका पता नहीं चला है। अखिलेश ने रविवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने दोहराया कि सत्ता में आने पर

महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपए देंगे। समाजवादी पेंशन फिर से शुरू करेंगे। फिल्म धुरंधर को लेकर मचे विवाद के बीच बिना नाम लिए कहा- भाजपा अब पैसे देकर फिल्में बनवा रही है। उनका मकसद दूसरे दलों को बदनाम करना है। दरअसल, 19 मार्च को रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' में अतीफ अहमद नाम के किरदार को दिखाया गया है, जो रियल लाइफ में माफिया अतीक अहमद से मिलता है। फिल्म को कांग्रेस और सपा के नेता प्रोपेगेंडा बता रहे हैं।

> *अखिलेश ने मूर्ति देवी-मालती देवी महिला सम्मान समारोह के दौरान कई महिलाओं को सम्मानित किया। इस दौरान उनकी पत्नी और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव भी मौजूद रहीं। उन्होंने कहा- नए भारत में बेटियां असुरक्षित हैं। डरी हैं। जब अन्याय को छिपाने की कोशिश की जाती है तो बहुत दुख होता है। उत्तराखंड की अंकिता भंडारी केस ने गहरा जख्म दिया। जब हमारी ही बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, तो देश कैसे आगे बढ़ सकता है।*

महिला सम्मान समारोह में अखिलेश और डिंपल ने समाज के भले के लिए काम कर रही महिलाओं को सम्मानित किया।

'लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर नहीं, बर्बाद कॉरिडोर बनाया'

अखिलेश ने कहा- रक्षा मंत्री लखनऊ के लिए अच्छा काम करना चाहते हैं, क्योंकि उनका संसदीय क्षेत्र है। लेकिन, सीएम योगी ने ग्रीन कॉरिडोर नहीं, बर्बाद कॉरिडोर बनाया है। हर चौराहे पर पुलिस लगानी होगी। मैं इनके डिजाइन को समझने के लिए गया, ग्रीन कॉरिडोर से चढ़कर अपने लोहिया पथ पर आए तो अंतर देखा। ग्रीन कॉरिडोर में पैदल चलने वालों के लिए जगह ही नहीं है। यह कॉरिडोर मानक के खिलाफ है। कोई भी सड़क पैदल चलने वालों को जगह दिए बिना डिजाइन नहीं हो सकती है। सबसे दुख की बात है कि सात हजार करोड़ रुपए में ग्रीन कॉरिडोर बन रहा है, इससे कम में अच्छा कॉरिडोर बन जाता।

यूपी में लॉ एंड ऑर्डर चरमराया, प्रशासन और पुलिस दोषी'

अखिलेश ने कहा कि गोरखपुर में बीजेपी नेता की हत्या के मामले में उनकी बेटी ने सीएम के ओएसडी पर आरोप लगाए हैं, लेकिन बीजेपी के सांसद डॉ. राधा मोहन अग्रवाल ने कहा कि अगर हत्यारों को बचाया तो मैं राज्यसभा में नंगा कर दूंगा। उनकी बेटी के आरोप सच हैं, कोई है जिसके दबाव में थाने से छोड़ा गया, सुनने में आया है कि तहरीर से नाम हटा दिया गया। राधा मोहन की सीट छोड़ने पर ही मुख्यमंत्री उस सीट से विधायक बने।

चाइनीज मांझे से बच्ची की गर्दन-अंगुली कटी

10 टांके लगे, पुलिस ने 6 पतंगबाजों को गिरफ्तार किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के वजीरगंज इलाके में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से 6 साल की बच्ची की गर्दन और हाथ की अंगुली कट गई। डॉक्टरों ने उसकी गर्दन में 10 टांके लगाए। उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी। पुलिस ने 6 पतंगबाजों को गिरफ्तार किया है। घटना वजीरगंज के जगत नारायण रोड गोलागंज चौराहे की है। बच्ची की पहचान 6 साल की अबीरा पुत्री खलील अहमद के रूप में हुई है। रविवार दोपहर करीब 3 बजे वह अपने पिता की बाइक पर आगे बैठकर जा रही थी। इसी दौरान चाइनीज मांझे की चपेट में आ गई। लखनऊ में 45 दिन में चाइनीज मांझे की चपेट में आकर घायल होने की यह 18वीं घटना है। कैसरबाग ओडियन सिनेमा के पास खलील अहमद परिवार के साथ रहते हैं। रविवार दोपहर करीब 3 बजे वह बाइक से घर का सामान लेने जा रहे थे। उनकी 6 साल की बेटी अबीरा बाइक पर आगे बैठी थी। लालबत्ती चौराहे से कैसरबाग बस अड्डा जाने वाली रोड पर अचानक पतंग का मांझा आ जाने से अबीरा का गर्दन और हाथ की एक उंगली कट गयी। जब तक खलील बाइक रोकते बच्ची के गहरे जख्म हो गए।

> बच्ची को डॉक्टरों ने 10 टांके लगाए। इस दौरान दर्द से वह चीखती-चिल्लाती रही।

फास्ट न्यूज

प्रशिक्षु डिप्टी जेलर के 121वें सेशन की दीक्षांत परेड

लखनऊ। लखनऊ स्थित डॉ. संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान में रविवार को प्रशिक्षु डिप्टी जेलर के 121वें सत्र और उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड के जेल वार्डरों के 178वें सत्र की भव्य दीक्षांत परेड आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान शामिल हुए। उन्होंने परेड की सलामी ली और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया।

ग्रीन कॉरिडोर पर ट्रैफिक मैनेजमेंट में कन्फ्यूजन

लखनऊ। लखनऊ में ट्रैफिक को तेज और सुचारु बनाने के उद्देश्य से बनाए गए ग्रीन कॉरिडोर पर अभी कई चुनौतियां सामने आ रही हैं। निर्माण के दौरान कुछ तकनीकी कमियां रह गई हैं। निशातगंज रोटरी पर पीक ऑवर में ट्रैफिक बाधित हो रहा है और वाहन चालकों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। स्थिति को संभालने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने हनुमान सेतु के पास ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया है। अब डालीगंज से आने वाले वाहन चालकों को आईटी चौराहे की ओर लंबे कट से होकर ग्रीन कॉरिडोर पर नहीं जाना पड़ेगा। इसके लिए हनुमान सेतु मंदिर के सामने नया कट बनाया गया है, जहां से वाहन मंदिर के पीछे वाले रास्ते से सीधे ग्रीन कॉरिडोर पर पहुंच सकेंगे।

विधायक अमरेश रावत को फोन पर मिली धमकी

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के विधायक अमरेश रावत को फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। नगराम क्षेत्र के अमवा मुर्तजापुर गांव निवासी इस युवक ने शनिवार दोपहर विधायक को फोन कर धमकी दी थी। उस समय विधायक घर पर थे। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार दोपहर करीब 1:20 बजे हुई। विधायक के निजी मोबाइल पर एक कॉल आई।, जिसे उनके सहयोगी उत्तम ने उठाया। कॉल करने वाले युवक ने तुरंत गाली-गलौज शुरू कर दी।

गैस सिलेंडर लेकर सड़क पर बैठे व्यापारी

जानकीपुरम में लोगों ने किया प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम में आम लोगों और व्यापारियों ने गैस सिलेंडर के लिए प्रदर्शन किया। 1 हफ्ते से डिलीवरी न आने पर खाली सिलेंडर लेकर सड़क पर बैठ गए। इस दौरान सड़क जाम हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाया। काफी समझाने के बाद ट्रैफिक बहाल हो सका। प्रदर्शन में शामिल जनकल्याण उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील पांडेय ने कहा कि पिछले करीब एक सप्ताह से इलाके में गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित होने से स्थानीय लोग और व्यापारी परेशान हैं। रविवार को जब समस्या का समाधान नहीं हुआ तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सूचना मिलते ही जानकीपुरम पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभालने में जुट गई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाया कि सड़क जाम करने से समस्या का समाधान नहीं होगा और वार्ता के जरिए ही इसका हल निकाला जाएगा। काफी देर तक चली बातचीत के बाद लोगों को शांत कराया गया और जाम की स्थिति बनने से रोक लिया गया। गैस सिलेंडर की समस्या को लेकर जनकल्याण उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील पांडेय भी मौके पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि लगातार एक सप्ताह से गैस न मिलने के कारण दुकानदारों और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- जानकीपुरम मार्केट में लोगों के सड़क पर बैठने से सड़क पर गाड़ियां रुकने लगीं।
- लोग लाइन से सड़क पर बैठ और खड़े होकर रास्ता रोक लिया।

भाजपा पार्षद बोले- बहुत अच्छा रहा, विपक्षियों ने कहा- सरेआम गुंडई, हिटलरशाही दिखा रहीं मेयर

लखनऊ नगर निगम में 15 मिनट में बजट पास

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के मुख्यालय में आज (22 मार्च को) सदन आयोजित किया गया। इसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 का मूल बजट पास किया गया। 2025-26 के रिवाइज्ड बजट को भी पास किया जाना था जिस पर कोई चर्चा भी नहीं की गई। मेयर ने सदन शुरू होने के 15वें मिनट में बजट पास की घोषणा कर दी। इस पर विपक्षी पार्षदों ने हंगामा करते हुए कहा- यह सरेआम गुंडई है। मेयर हिटलरशाही दिखा रही हैं। सबसे पहले नगर निगम की उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह गांधी ने मूल बजट का भाषण पढ़ना शुरू किया तो कांग्रेस के पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि बजट की कॉपी हमें नहीं मिली है और इसका भाषण पढ़ा जा रहा है। सदन में इस वित्त वर्ष के रिवाइज्ड बजट से पहले 2026-27 के मूल बजट को रख दिया गया। इसपर बहस शुरू हो गई। इस बीच कांग्रेस पार्षद मुकेश चौहान ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं से डरते हैं। यह सुनते ही भाजपा पार्षदों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। वे नारे लगाने लगे- 'महिलाओं के सम्मान में, भाजपा मैदान में...'। सदन केवल 45 मिनट तक चला। यह दोपहर 12:13 बजे शुरू हुआ। 15वें मिनट यानी 12:28 बजे मेयर ने बजट पास करने की घोषणा कर दी।

> *सपा पार्षद यायावर हुसैन रेशु ने कहा कि हमें रिवाइज्ड बजट की कॉपी क्यों नहीं दी गई। कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने भी पूछा कि रिवाइज्ड बजट पर चर्चा क्यों नहीं हो रही है? इस पर भाजपा पार्षद अनुराग मिश्रा ने पूछा कि आप यायावर भाई (सपा पार्षद) के सेक्रेटरी हो क्या? भाजपा पार्षद के इस सवाल के बाद पक्ष-विपक्ष के बीच हंगामा शुरू हो गया।*

मेयर बोलीं- ऑनलाइन टैक्स जमा करने पर 10% छूट मिलेगी

मेयर ने बजट के बारे में पूछने पर केवल यह बताया कि ऑनलाइन टैक्स जमा करने पर 10% और ऑफलाइन जमा करने पर 8% की छूट मिलेगी। हमें शासन से 3 नमो वन विकसित करने को मिले हैं जिन्हें मियावाकी पद्धति से विकसित किया जाएगा। हम हरियाली की ओर बढ़ रहे हैं। सपा पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि ने कहा- हम चर्चा की तैयारी करके आए थे। यह निराशाजनक रहा कि बजट पर बिना चर्चा किए सदन को 40-45 मिनट में समाप्त कर दिया गया।

सपा पार्षद ने कहा- मेयर हिटलरशाही दिखा रही हैं

सपा पार्षद यायावर हुसैन ने कहा- मैं 30 साल के इतिहास में पहली बार देख रहा हूं कि बजट पर किसी से कोई चर्चा ही नहीं की गई। मेयर हिटलरशाही दिखा रही हैं। पुनरीक्षित बजट आया ही नहीं, मूल बजट आया तो उस पर चर्चा नहीं की। चर्चा न होने के बावजूद भाजपा के पार्षद उसकी वाहवाही कर रहे हैं। कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा- भाजपा का अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा है। भाजपा अहंकार की सीमा को पार कर चुकी है। जनता इन्हें जवाब देगी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेयर हमारी बात सुनने को तैयार नहीं हैं।

घर का सीसीटीवी बंद कर प्रेमी के साथ की वारदात, स्निफर डॉग ने कातिल को पकड़ाया

36-साल की बहू ने सास की हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 36 साल की बहू ने प्रेमी के साथ मिलकर सास की हत्या कर दी। हाथ-पैर रस्सी से बांधे, फिर गला दबा दिया। वजह थी- सास प्रेमी से मिलने का विरोध करती थी। पुलिस के मुताबिक, किसी को उन पर शक न हो, इसलिए दोनों ने घर का CCTV बंद कर वारदात की। फिर कार से बाहर भाग गए। कुछ दूर जाकर सीसीटीवी को मोबाइल से ऑन कर दिया। थोड़ी देर बाद महिला का 18 साल का बेटा घर पहुंचा। दादी की लाश देखकर वह मां को कॉल करने लगा। इस पर दोनों को लगा कि अगर घर नहीं लौटे तो पकड़े जाएंगे। घबराहट में दोनों वापस घर आ गए। अरोपी महिला रंजना वर्मा, सास निर्मला (69) की लाश देखकर रोने का नाटक करने लगी। कहने लगी कि लूटपाट के बाद हत्या की गई। हम बाहर घूमने गए थे। इधर, पोते के बुलाने पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की तो 2 घंटे तक घर का CCTV ऑफ मिला। लेकिन घर के बाहर लगे CCTV में बहू प्रेमी राजन शर्मा (21) के साथ घर से बाहर जाती दिखाई दी। मौके पर पहुंचा पुलिस का स्निफर डॉग सूंघते हुए प्रेमी के पास जाकर रुक गया। वह घबरा गया और उसे दूर भागने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सख्ती से पूछताछ की तो हत्या की बात कबूल कर ली। घटना शनिवार शाम 4 बजे महानगर इलाके की है। शनिवार को त्रिदेश जॉब पर गया था। बहू रंजना और छोटी बेटी सांवी घर पर थीं। पोता डिलीवरी देने चला गया था। शाम 4 बजे घर लौटा। अंदर जाकर देखा तो कमरे में दादी के हाथ-पैर बंधे थे और वह बेहोश पड़ी थीं। पोते ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आसपास के लोग आए उन्होंने चेक किया तो निर्मला देवी की मौत हो चुकी थी। इस पर उसने पिता को फोन कर बुलाया और मां को भी कॉल किया। मां रंजना थोड़ी देर बाद राजन के साथ घर पहुंची। पुलिस ने CCTV चेक किए तो दोपहर 2 से शाम 4 बजे के बीच कैमरे बंद मिले। इससे पुलिस को संदेह हो गया कि कोई घर का ही व्यक्ति इसमें शामिल है। 4 बजे के बाद के फुटेज में बहू प्रेमी के साथ बाहर दिखाई दी। "

> एसएचओ महानगर अखिलेश मिश्रा ने कहा- मृतका के बेटे की शिकायत पर उसकी पत्नी रंजना और प्रेमी राजन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके दोनों को गिरफ्तार किया है। राजन शर्मा ओला टैक्सी ड्राइवर है। वह रंजना के घर पर ही किराए पर रहता है।

पोता डिलीवरी कर लौटा तो दादी की लाश देखी

निर्मला देवी (69) निशातगंज गली नंबर-3 में रहती थीं। बेटा त्रिदेश वर्मा (40), बहू रंजना वर्मा, पोता आदित्य (18), पोती अंशिका (15) और सांवी (डेढ़ साल) भी उनके साथ रहते थे। निर्मला के पति राजाराम वर्मा सचिवालय से रिटायर्ड थे। उनकी 2 साल पहले मौत हो चुकी है। रंजना की करीब 20 साल पहले त्रिदेश से शादी हुई थी। दो मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर निर्मला का परिवार रहता है, जबकि फर्स्ट फ्लोर पर 8 किराएदार हैं। इसमें ही एक कमरे में प्रेमी राजन शर्मा भी रहता था। निर्मला का बेटा त्रिदेश बिजली विभाग में किला पावर हाउस में संविदा पर तैनात है। पोता डिलीवरी बॉय का काम करता है। बड़ी बेटी अंशिका मामा के घर उन्नाव गई थी।

> पुलिस ने बताया कि बहू रोते हुए सबसे पूछने लगी कि इन्हें क्या हो गया है। घटना के बाद मौके पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड पहुंचा। डॉग सूंघते हुए प्रेमी राजन के पास जाकर रुक गया। आसपास खड़े सभी लोग हक्के-बक्के रह गए।

लखनऊ पुस्तक मेले में काम गोष्ठी का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। करुणा साहित्यिक संस्थान का रविंद्रालय चारबाग लखनऊ पुस्तक मेले में काम गोष्ठी का आयोजित हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भोपाल के रामायण केंद्र के निर्देशक राजेश श्रीवास्तव एवं अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर पांडे ने की। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथ वरिष्ठ साहित्यकार निर्भर नारायण गुप्ता एवं विशिष्ट साहित्यकार महेंद्र भीष्म, राज कर्मचारी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कवि दिनेश चंद्र अवस्थी, हिंदी संस्थान की उपनिदेशक डॉ अमिता दुबे, बालकवि एवं साहित्यकार संजीव जायसवाल, वरिष्ठ कवि विजय तिवारी ने आमोद श्रीवास्तव, पत्रकार, नवसंवाद, न्यूज नेटवर्क, लखनऊ, प्रदेश कोषाध्यक्ष, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, उत्तर प्रदेश, प्रदेश मीडिया प्रभारी, ईपीएस-९५ उत्तर प्रदेश को माला एवं शाल पहनाकर तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

मोदी की पश्चिम एशिया के ...

रूस से भी एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंच चुके हैं। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमला किया, जिसमें कई सैन्य और परमाणु ठिकाने निशाना बने। इस ऑपरेशन में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई मंत्री-अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट से आपूर्ति बाधित हुई। यहां से भारत का 80-85% LPG आयात होता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा LPG आयातक है। देश की 60% से ज्यादा LPG बाहर से आती है। इसी के कारण भारत में LPG किल्लत जैसे हालत बने, लेकिन भारत सरकार ने लगातार लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की। सरकार ने कहा कि देश में LPG और तेल की कोई कमी नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहे। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं।

नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे सीएम ...

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अहम परियोजनाओं में से है। इसके निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार निगरानी होती रही है। नवंबर और दिसंबर में मुख्यमंत्री ने जेवर पहुंचकर एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की समीक्षा एवं भौतिक निरीक्षण किया था। इस दौरान केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू ने भी एयरपोर्ट पहुंचकर निरीक्षण किया था। उद्घाटन की तिथि तय होते ही मुख्यमंत्री का नोएडा एयरपोर्ट का कार्यक्रम भी तय हो गया। उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री के मंच, सुरक्षा घेरे, आमजनों के बैठने के स्थान, वीवीआईपी और वीआईपी गैलरी, पुलिस की सुरक्षा घेरे समेत अन्य तैयारियों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी गई। पॉवर प्रजेंटेशन के जरिए डीएम मेधा रूपम ने मुख्यमंत्री के सामने सारी तैयारियों का खाका प्रस्तुत किया। सीएम को बताया गया कि चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात रहेगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश के सभी मार्गों की जानकारी ली। इसके साथ साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, परिवहन सुविधा, अग्नि सुरक्षा, चिकित्सा सेवाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने जनसभा में पेयजल सुविधा के साथ ही पार्किंग में भी पीने के पानी की सुविधा और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं। पॉवर प्रजेंटेशन देखने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ गोपनीय बैठक की। इसमें अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह, मंडलायुक्त मेरठ मंडल भानु चंद्र गोस्वामी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना विकास प्राधिकरण राकेश कुमार सिंह, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपम, विशेष सचिव मुख्यमंत्री ईशान प्रताप सिंह, नोएडा एयरपोर्ट के नोडल अफसर शैलेन्द्र भाटिया समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गोपनीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आगामी समारोह के लिए विभिन्न दिशा निर्देश दिए।

सोनम वांगचुक 6 महीने ...

हमें उम्मीद है कि सभी तरफ से ऐसा ही माहौल बनेगा और मैं पूरे देश के उन लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, जिन्होंने इस संघर्ष में हमारा साथ दिया। मैं लोगों से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। वांगचुक ने जेल के समय को कठिन अनुभव बताते हुए कहा कि हिरासत का समय आत्ममंथन का अवसर था। वहीं, इस दौरान मेरी पत्नी गीतांजली को कानूनी लड़ाई में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दरअसल, केंद्र ने 14 मार्च को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट (NSA) हटाया था। पिछले साल लद्दाख में उनके अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई थी। दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था। 170 दिन से वे जोधपुर जेल में थे। NSA सरकार को ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनसे देश की सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो। इसके तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक नजरबंद रखा जा सकता है। केंद्र ने 14 मार्च को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट (NSA) हटाया था। सरकार ने कहा कि यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, सोनम ने NSA एक्ट के तहत अपनी हिरासत की अवधि का लगभग आधा हिस्सा पूरा कर लिया है। इसके बाद सुबह करीब 10 बजे सोनम की पत्नी गीतांजलि जोधपुर जेल पहुंचीं। कागजी कार्रवाई पूरी की गई। दोपहर करीब सवा एक बजे वांगचुक पत्नी के साथ एक निजी गाड़ी से जेल से निकले थे। सरकार ने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की याचिका पर अंतिम सुनवाई (17 मार्च) के दो दिन पहले लिया। कोर्ट सुनवाई के दौरान वे वीडियो और फोटो देखेगा, जिनके आधार पर सरकार ने उन पर NSA लगाया था। सोनम को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में लिया गया था। वह लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। आंदोलन के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद उनकी गिरफ्तारी की गई थी। इन प्रदर्शनों में 4 लोगों की मौत हुई थी। 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने इस हिंसा को भड़काया। वांगचुक का जन्म 1966 में लेह जिले के अल्ची के पास, लद्दाख में हुआ था। उनके गांव में स्कूल न होने के कारण 9 साल की उम्र तक उनका किसी स्कूल में दाखिला नहीं हुआ। इस दौरान उनकी मां ने उन्हें बुनियादी शिक्षा दी। 9 साल की उम्र में उन्हें श्रीनगर ले जाया गया और वहां एक स्कूल में दाखिला दिलाया गया। बाद में दिल्ली के विशेष केंद्रीय स्कूल में भी उन्होंने पढ़ाई की। फिर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानी NIT, श्रीनगर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में BTech किया। इंजीनियरिंग के बाद वांगचुक ने साल 1988 में अपने भाई और पांच साथियों के साथ मिलकर स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख यानी SECMOL की शुरुआत की। इसका उद्देश्य लद्दाख के सरकारी स्कूलों की शिक्षा में सुधार लाना है। इसके लिए लद्दाख के सासपोल में मौजूद सरकारी हाई स्कूल में स्कूल सुधार के प्रयोग किए गए। इसके बाद, SECMOL ने 'ऑपरेशन न्यू होप' की शुरुआत की। इसके तहत सरकारी स्कूलों में एजुकेशन रिफॉर्म और लोकलाइज्ड टेक्स्टबुक्स, टीचर्स की ट्रेनिंग और गांव-स्तरीय शिक्षा समितियों के गठन की पहल शुरू की गई। फिर इसे शिक्षा विभाग और गांव की जनता के सहयोग से आगे बढ़ाया गया।

मोदी जी अब झोला उठाओ ...

ये सामान्य पेट्रोल के मुकाबले करीब 10-12 रुपए महंगा होता है। इंडियन ऑयल ने अपने इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत में भी 25% की बढ़ोतरी की गई। इसके दाम 87.67 प्रति लीटर से बढ़कर अब 109.59 प्रति लीटर हो गए। औद्योगिक डीजल के खरीदारों में रेलवे, रोडवेज बसें, बड़ी फैक्ट्रियां, अस्पताल और बड़े मॉल शामिल हैं। तेल कंपनियां ये डीजल टैंकरों के जरिए सीधे इन संस्थानों के निजी स्टोरेज टैंकों में भेजती हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676